



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं 426]

नई दिल्ली, शुक्रवार, सितम्बर 12, 1980/बाहुद 21, 1902

No. 426]

NEW DELHI, FRIDAY, SEPTEMBER 12, 1980/BHADRA 21, 1902

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संलग्न धूरी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के स्तर पर भी रखा जा सके।  
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

### उद्योग मंत्रालय

(शौधोगिक विकास विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 12 सितम्बर, 1980

का० घा० 776(अ)./18 च०/ओ० वि० वि० अधि०.—भारत सरकार के भूतपूर्व शौधोगिक विकास मंत्रालय के आदेश सं० का० घा० 542 (अ)/18 फक्त/प्रौ० वि० वि० वि० 74, तारीख 13 सितम्बर, 1974 द्वारा यह प्राधिकृत किया गया था कि, अमृतसर शुगर मिल्स कम्पनी लिमिटेड, अमृतसर नाम के शौधोगिक उपकरण (जिसे इसके पश्चात् उक्त उपकरण कहा गया है), जहाँ तक कि उसका संबंध अमृतसर आयल वर्क्स, अमृतसर नामक कारखाने से है तथा उक्त कारखाना वाहा गया है) से है कि उक्त कारखाने से संबंधित है, या जो उक्त आदेश के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से ठीक पूर्व उसे लागू हो सकते हैं, और उक्त तारीख से पूर्व उनके प्राचीन प्रोटोकूल या उद्दृश्य होने वाली शर्त की अवधि के लिए नए निकाय ने ले लिया था;

और भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय के आदेश सं० 454(घ), तारीख 18 जुलाई, 1978 द्वारा 12 सितम्बर, 1979 तक की अवधि, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, के लिये उक्त अवधि-निकाय का स्थान एक नए निकाय ने ले लिया था;

और भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (शौधोगिक विकास विभाग) के आदेश सं० का० घा० 525(घ), तारीख 11 सितम्बर, 1979 द्वारा, तारीख 13 सितम्बर, 1974 और 18 जुलाई, 1978 के उक्त दोनों आदेश 12 सितम्बर, 1981 तक भी अवधि, जिसमें वह तारीख भी सम्मिलित है, के लिये प्रचारी बने रहेंगे;

697 GI/80

और केंद्रीय सरकार, भारत सरकार के भूतपूर्व उद्योग और नागरिक पूर्ति मंत्रालय (शौधोगिक विकास विभाग) के आदेश सं० का० घा० 566(घ), तारीख 1 प्रकृत्वार, 1975 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है) द्वारा उद्योग (विकास और विनियमन) प्रधिनियम, 1951 की धारा 18 चर्च की उपचारा (1) द्वारा प्रदत्त गतियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा की थी कि :—

(क) उक्त आदेश की अनुसूची में विनिविष्ट, यथा स्थिति, अधिनियमितियाँ, या उनके भाग उक्त उपकरण को, जहाँ तक उनका संबंध उक्त कारखाने से है, लागू नहीं होंगे, और

(ख) सभी प्रवृत्त संविदाओं, सम्पत्ति के हस्तांतरण-पत्रों, करारों, अवधारणों, पंचारों, स्थायी आदेशों या लिखितों का (उनको छोड़कर जो ऐसों और वित्तीय संस्थाओं के प्रतिभूत वायिलों से संबंधित हैं) प्रवर्तन, जिनका उक्त शौधोगिक उपकरण एक पक्षकार है और जहाँ तक कि वे उक्त कारखाने से संबंधित हैं, या जो उक्त आदेश के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से ठीक पूर्व उसे लागू हो सकते हैं, और उक्त तारीख से पूर्व उनके प्राचीन प्रोटोकूल या उद्दृश्य होने वाली शर्त की अवधि के लिये निलम्बित रहेंगे ;

और भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (शौधोगिक विकास विभाग) के आदेश सं० का० घा० 526 (घ), तारीख 11 सितम्बर, 1979 द्वारा उक्त आदेश की कालावधि को, 12 सितम्बर, 1980 तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, के लिये बढ़ा दिया गया था ;

और केंद्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि तारीख 1 प्रकृत्वार, 1975 के उक्त आदेश की कालावधि को, 12 सितम्बर, 1981 तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, के लिये बढ़ा दिया जाना चाहिए ;

ग्रन्त: केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विभिन्नम) प्रधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18चक्र की उपधारा (2) के साथ पठित उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, तारीख 1 मन्तूबन, 1975 के उक्त ग्रान्त की कालावधि को 12 सितंबर, 1981 तक की प्रवर्धित, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, के लिये प्रोत्तर बढ़ाती है। [का० स० 4/3/74-सीयूसी]

**MINISTRY OF INDUSTRY**  
(Department of Industrial Development)  
ORDER

New Delhi, the 12th September, 1980

**S.O. 776(E)/18FB/IDRA.**—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industrial Development No. S.O. 542(E)/18AA/IDRA/74, dated the 13th September, 1974, the management of the Industrial undertaking known as Amritsar Sugar Mills Co., Ltd, Amritsar (hereinafter referred to as the said undertaking) in so far as it relates to the factory known as Amritsar Oil Works, Amritsar (hereinafter referred to as the said factory) was authorised to be taken over by a body of persons known as the Board of Management under section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) for a period of 5 years commencing from the 13th September, 1974;

And, whereas, by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry No. 454(E), dated the 18th July, 1978, the said body of persons was replaced by a new body for a period upto and inclusive of the 12th September, 1979;

And, whereas, by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 525(E), dated the 11th September, 1979, the said two orders dated the 13th September, 1974 and the 18th July, 1978 continue to have effect for a further period upto and inclusive of the 12th September, 1981;

And, whereas, by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industry and Civil Supplies (Department of Industrial Development) No. S.O. 566(E) dated the 1st October, 1975 (hereinafter referred to as the said Order), the Central Government, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951, declared that :—

- (a) the enactments, or portions thereof, as the case may be, specified in the schedule to the said Order shall not apply to the said undertaking in so far as it relates to the said factory, and
- (b) the operation of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force (other than those relating to secured liabilities to banks and financial institutions) to which the said industrial undertaking is a party in so far as they related to the said factory, or which may be applicable to it immediately before the date of publication of the said order in the official gazette and all the rights, privileges, obligations and liabilities accruing or arising thereunder before the said date shall remain suspended for a period of one year commencing from the 1st October, 1975;

And, whereas, by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 526(E) dated the 11th September, 1979, the duration of the said order was extended upto and inclusive of the 12th September, 1980;

And, whereas, the Central Government is satisfied that the duration of the said Order dated the 1st October, 1975 should be extended by a further period upto and inclusive of the 12th September, 1981;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) read with sub-section (2) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby extends the duration of the said Order dated the 1st October, 1975, for a further period upto and inclusive of the 12th September, 1981.

[F. No. 4/3/74-CUC]

का० आ० 777(अ).—केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विभिन्नम) प्रधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18क्र की उपधारा (2) का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (भौतिक विकास विभाग) के भावेश सं० का० आ० 325(प्र), तारीख 18, मई 1978 का निम्नलिखित प्रीरंग संशोधन करती है, प्रवर्त्ततः—

उक्त भावेश में, “मदस्य (भौतिकिक)” शीर्षक के नीचे, कम सं० 2 प्रोत्तर उससे संबंधित प्रविष्टि का लोप किया जाएगा।

[सं० का० 4(1)/77-सीयूएस]

**S.O. 777(E).**—In exercise of the powers conferred by section 18A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby makes the following further amendment in the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 325 (E) dated the 18th May, 1978, namely :—

In the said Order, under the heading “Members (Part-time)” Serial No. 2 and the entry relating thereto shall be omitted.

[F. No. 4(1)/77-CUS]

का० आ० 778(अ).—उद्योग (विकास एवं विभिन्नम) प्रधिनियम, 1951, (1951 का 65), की धारा 18क्र की उपधारा (1) के बाघ (अ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद् द्वारा भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (भौतिक विकास विभाग) के का० आ० सं० 590 (प्र) दिनांक 9 मन्तूबन, 1978 के भावेश में निम्नलिखित संशोधन करती है, प्रवर्त्ततः—

उक्त भावेश में “सदस्यों” शीर्षक के अन्तर्गत कम संश्या 3 प्रीर. 5 की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी; प्रवर्त्ततः—

“3 श्री माधव सिंहा,

विशेष सचिव,

उद्योग विभाग,

विद्युत सरकार, पटना।

5. श्री एम० कृष्ण भूसि,

उप-मन्त्री (आन्तरिक वित्त)

भारत सरकार,

वाणिज्य मंत्रालय

नई दिल्ली।”

[का०सं० 3(4)/76-सीयूएस]

ब० राधा, संयुक्त सचिव

**S.O. 778(E).**—In exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951, (65 of 1951), the Central Government hereby makes the following amendments in the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 590(E), dated the 9th October, 1978, namely :—

In the said Order, under heading “Members”, for the entries against Serial Number 3 and 5, following shall be substituted, namely :—

“3. Shri Madhav Sinha,  
Special Secretary,  
Department of Industries,  
Government of Bihar,  
Patna.

5. Shri S. Krishna Moorthy,  
Deputy Secretary (IF),  
Government of India,  
Ministry of Commerce,  
New Delhi.”

[F. No. 3(4)/76-CUS]

B. ROY, Jt. Secy.